गंगा आरती देख अभिभूत

क्रूज पर पीछे झुका था राष्ट्रीय ध्वज

कोलकाता से काशी पहुंचे क्रूज के पीछे राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा है। खास यह कि राष्ट्रध्वज सीधा न होकर झुक गया था। कुछ लोगों ने आश्चर्य भी जताया। आमतौर राष्ट्रीय ध्वज आगे लगाया जाता है। उधर क्रूज के मालिक राज सिंह ने कहा कि आमतौर पर क्रूज में ध्वज पीछे ही लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि तेज हवा से ध्वज झुक गया, जिसे ठीक कर लिया जाएगा। कछुआ सेंचुरी के लिए क्या अनुमति ली है? उन्होंने कहा कि हम सेंचुरी से बाहर है। मालवीय पुल से लेकर रामनगर तक कछुआ सेंचुरी के तहत आता है। वाटरवेज एथारिटी आफ इंडिया ने पहले ही हमें बता दिया था कि क्रूज मालवीय पुल से आगे नहीं जाएगा। क्योंकि इसके आगे कछुआ सेंचुरी है। इसके लिए बाकायदा केन्द्र व राज्य सरकार ने निर्देश दिया था।

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

कोलकाता से क्रूज से आए विदेशी पर्यटक रविवार की शाम गंगा आरती देख अभिभूत रहे। कहा- एक्सीलेंट वेरी नाइस। सैलानियों ने राजाघाट पर गंगा आरती में भाग लिया। घाट को दीपों तथा विद्युत झालरों से सजाया गया था। शहनाई की मंगलध्वनि गूंज रही थी। सैलानियों के सम्मान में घाट के ऊपरी तल पर भोज का आयोजन था। हालांकि सैलानियों ने माना कि गंगा में प्रदूषण ज्यादा है लेकिन गंगा आरती की खुले मन से सराहना की।

सायंकाल 7.30 बजे राजाघाट पर वेंकट सूर्यनारायण ने गंगा आरती शुरू की। इस बीच दो नावों पर सवार होकर 39 सैलानी पहुंचे। इनमें यूएसए कनाडा, आस्ट्रेलिया, यूके, बेल्जियम के सैलानी रहे। घाट पर पहुंचते ही माल्यार्पण कर

- बरबस ही बोल पड़े- एक्सीलेंट, वेरी नाइस
- सैलानियों ने माना गंगा में ज्यादा है प्रदूषण, सारनाथ में विश्व शांति के लिए की प्रार्थना
- दीपों, विद्युत झालरों से सजा रहा राजाघाट

उनका स्वागत किया गया। घाट के ऊपर अन्नपूर्णा माता व लक्ष्मीनारायण मंदिर को भी फूल-मालाओं से सजाया गया था। होटल क्लार्क्स की ओर से सैलानियों के सम्मान में भोज था। सैलानियों ने नाव से घाटों का नजारा लिया और घाटों पर हो रही गंगा आरती को निहारते रहे।

इसके पूर्व बातचीत में आस्ट्रेलिया की डेमटी डेवी ने कहा कि यात्रा के दौरान गंगा किनारे महिलाओं को देखकर बहुत अच्छा लगा। रेत से क्रूज के टकराने के बाद कई बार डर भी लगा। यूके के प्रोफेसर गेरी ने कहा कि गंगा किनारे पुराने भवनों को देखकर अच्छा लगा। यहां के हर धर्म व गंगा की उत्पति के बारे में भी जानकारी हुई। वैसे गंगा में प्रदूषण ज्यादा है। ब्रिटेन के आसिम कुमार गुप्ता बोले- यात्रा काफी अच्छी रही। गाजीपुर में जब क्रूज रुका तो हम डर गये थे। सारनाथ संवाददाता के अनुसार क्रूज से आए सैलानी भगवान बुद्ध की उपदेशस्थली पहुंच कर भावविभोर रहे। भारत के राष्ट्रीय चिह्न सिंह शीर्ष की कलात्मकता को देखकर उनके मुंह से बरबस निकल पड़ा- 'वंडरफुल'। बुद्ध मंदिर पहुंच कर विधिवत मत्था भी टेका। धमेख स्तूप के समक्ष बैठकर उन्होंने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की।

US scientists to scan river Ganga

V K Tripathi
htpletters@hindustantimes.com

PATNA: For the first time in the State, the majestic river Ganga will be under the scanner of US scientists in association with researchers from Tilka Manjhi Bhagalpur University (TMBU) of Bihar.

The Inland Waterways Authority of India (IWAI) will also lend valuable support and provide its well-equipped vessel for the ten-day scanning programme from October 21 to 31. The findings of research will be shared by both the institutions.

The joint team of scientists will not only fathom the river's depth through Doppler machine but also prepare a map of the river bed through Global Positioning System (GPS), collect the zooplanktons, study the course of current and sedimentation with the help of latest instruments.

To facilitate the research, School of Natural Resources and Environment, Michigan University, would provide a specially developed computer programme for studying a stretch of about 250 kilometers of Ganga from Kahalgaon to Patna.

The IWAI personnel would make available different equipments, including Doppler machine, for in-depth scanning of the river bed, said Dr Sunil Choudhary, leader of the 6-member TMBU team joining the major research programme funded by Michigan University.

"The US scientists are interested to study the details of Ganga, the legendary river that supports innumerable beliefs and wide range of aquatic life. While shifting its course from time to time, it has carried the age-old reputation for purity of its water and also caused havoc due to floods," said Chaudhary.

The US team led by Dr Mike Wiley includes a noted specialist on zooplankton Dr Omair, who will also train TMBU scientists to carry on investigation on zooplanktons.

The three hills situated in the river near Kahalgaon would be a centre of attraction as the scientists hoped to discover some newer forms of life present there, he said, adding that Global Positioning System and Global Information System (GIS) would also be used for geo-mapping the bed around these hills. The study of bed is likely to throw up some unknown causes that led to floods.

The scanning of Ganga would also unfold some new hideouts of bigger forms of aquatic life like dolphins and effect of pollutants, if any, on under-water life. To mention, Vikramshila sanctuary in Bhagalpur is known for dolphin conservation and the collaborative research programme would further help in their conservation, added Chaudhary.

Now, a cruise to Varanasi

II Statesman News Service

KOLKATA, 27 SEPT: The West Bengal Tourism Development Corporation Ltd (WBTDCL), in collaboration with a private organisation, is all set to launch a river cruise service between Kolkata and Varanasi from 29 September.

The cruise will take 15 days to travel from Kolkata to Varanasi. It will start from Vivekananda Bridge near Dakshineswar. The entire 15-day trip will cost a minimum of Rs 1 lakh.

Passengers will get five-star facilities during the journey.

"This is the first such cruise on the river Ganges. Very few journeys can be such interesting and exciting," said Mr TVN Rao, managing director of WBTDCL. The WBTDCL has signed an MoU with Pandaw Cruises India Ltd. The cruise between Kolkata and Varanasi would be the first venture of the company in India.

The demand for the cruise is very high and tickets are already booked, said Mr Raj Singh, director of Pandaw Cruises India Ltd.

Mr Singh said the company has plans to start cruise services from Kolkata to important tourist destinations in the state including Santiniketan, Bishnupur and Sunderbans in the next few months.

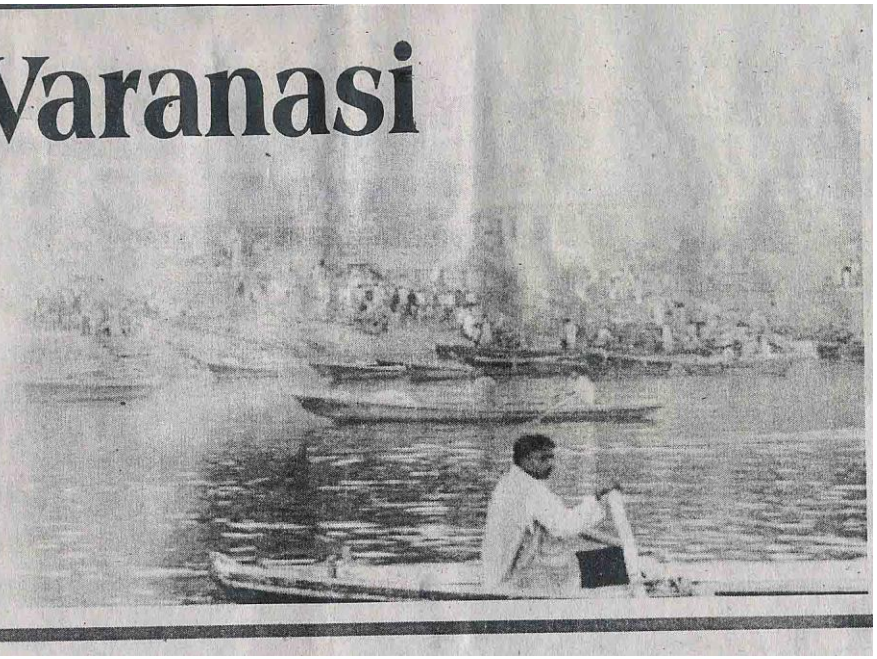

पांडव क्रूज पहुंचा बनारस बना रहा कौतूहल का केन्द्र

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

- हर सुख-सुविधाओं से युक्त है क्रूज
- 1.80 लाख रुपया है प्रति यात्री किराया
- कुल 15 दिनों का है पैकेज
- 24 घंटे काफी बार की है सुविधा

गंगा की लहरों पर बलखाते हुए आर.वी. पाण्डव-4 क्रूज कोलकाता से रविवार को अपराह्न एक बजे बनारस पहुंचा। खिड़किया घाट (राजघाट) पर क्रूज को देखने के लिए भीड़ लगी रही। 160 फुट लंबे व 36 फुट चौड़े तथा तकरीबन इतने ही ऊंचे क्रूज सभी को रोमांचित कर रहा था। हर कोई कौतूहलवश इसके बारे में जानकारी लेता रहा। शनिवार को क्रूज गाजीपुर में रुका था। एक हजार किमी. की यात्रा में 15 दिन लगे। 14 अक्तूबर को गाजीपुर में अन्य पर्यटकों को लेकर क्रूज कोलकाता के लिए रवाना होगा। क्रूज वाराणसी से पुनः गाजीपुर, बक्सर, डोरीगंज, पटना, सेमरिया, मुंगेर, भागलपुर, झारखंड, फरक्का, मुर्शिदाबाद, कटवा, कलना, चंदानगर होते हुए 24 अक्तूबर को कोलकाता पहुंचेगा।

दूर से देखने पर यह क्रूज गंगा के निर्मल जल पर तैरता किसी तारांकित होटल का आभास कराता है। इसमें सभी सुविधाएं हैं। 28 कमरों वाले दो मंजिला क्रूज में काफी शाप, कोल्ड ड्रिंक्स, व्यायाम कक्ष, मूवी थियेटर व डाइनिंग हाल भी है। क्रूज में योग प्रशिक्षक भी रखने की योजना है। जो सैलानियों को योग के बारे में बतायेगा।

पूरी तरह से एयर कंडीशनर इस क्रूज में सैलानी हर तरह के व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। क्रूज जिस प्रदेश में प्रवेश करेगा उस जगह का व्यंजन सैलानियों को परोसा जाएगा। जैसे यू.पी. में यू.पी. का बिहार में बिहारी भोजन, कोलकाता में कोलकाता का भोजन देंगे। बंगाल में सैलानियों के लिए भोजन में मछली भी परोसी जाती है। क्रूज में विदेशियों के साथ भारतीय भी यात्रा कर सकते हैं। म्यांमार में निर्मित क्रूज को 2004 में सेकेण्ड हैण्ड में खरीदा गया था। मालिक राज सिंह ने बताया कि सैलानी पहले फ्लाइट से लंदन से कोलकाता आए। यहां पर दो रातें होटल में बितायीं। फिर दस नाइट क्रूज के लिए। कोलकाता से वह वाराणसी आए। यहां पर सैलानी दो रातें होटल में बिताने के बाद फ्लाइट से दिल्ली जाएंगे। दिल्ली में होटल में विश्राम करने के बाद वह लंदन रवाना होंगे। यह पूरा 15 दिनों का टूर है। इसमें प्रति यात्री किराया एक लाख 80 हजार रुपया है। क्रूज के लिए 2009 से 2011 तक की बुकिंग हो चुकी हैं। खास बात यह कि हम जिस स्टेट में जाते हैं वहां की सरकार हमें पूरी सुरक्षा देती है। यह यात्रा काफी चैलेजिंग रही। जब हम कोलकाता में थे, तब ठीक था। यात्रा के दौरान मशीन में गंगा का कचड़ा फंस गया। इससे यात्रा दो दिन लेट हो गई। इस दौरान हम 200 किमी. कम चले। इंग्लैंड वाटर वेज एथारिटी आफ इंडिया, केन्द्र व राज्य सरकारें भी सहयोग कर रही हैं। यात्रा में विदेशी पर्यटकों का काफी अच्छा रिस्पांस रहा। 2011 तक क्रूज पर यात्रा के लिए बुकिंग हो चुकी है। पहला प्रयास सफल रहा। घाट पर इंग्लैण्ड वाटरवेज एथारिटी आफ इंडिया के डायरेक्टर एसवीके रेड्डी, प्रदेश पर्यटन विभाग के प्रबंधक नीरज आहूजा, रतीन्द्र पांडेय, पर्यटन अधिकारी दिनेश कुमार, एलएस सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

बलिया में शीघ्र ही लगेगा कैमल सफारी: राज सिंह

विदेशी सैलानियों के लिए बलिया में शीघ्र ही कैमल सफारी की भी योजना है। क्रूज के मालिक राज सिंह ने बताया कि बलिया में होने वाले ददरी मेला में हम कैमल सफारी लगाएंगे। इसमें पूरी तरह से गांव का दृश्य होगा। इसे देखकर पर्यटक भी काफी अच्छा महसूस करेंगे। यह यू.पी. के लिए पहला प्रयास होगा।